अखबार वो जो दिखाता है सच

हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 72 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

● बुधवार, 13 मार्च, 2024
• Wednesday, 13 March, 2024

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

पीएम नरेंद्र मोदी ने 10 वंदे भारत ट्रेनें लॉन्च की

85 हजार करोड़ की योजनाओं का इनॉगरेशन किया, साबरमती में कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया

पीएम मोदी ने साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ रुपए की रेल प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया। उन्होंने देशभर के विभिन्न राज्यों से चलने वाली 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने साबरमति आश्रम में कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया और गांधी आश्रम स्मारक के मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पूज्य बापू का ये साबरमती आश्रम हमेशा से ही एक अप्रतिम ऊर्जा का जीवंत केंद्र रहा है। जब-जब यहां आने का अवसर मिलता है, तो बापू की प्रेरणा हम अपने भीतर स्पष्ट रूप से अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा- आज 12 मार्च की ऐतिहासिक तारीख भी है। आज के ही दिन बापू ने स्वतंत्रता आंदोलन की धारा को बदला और दांडी यात्रा इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गई। सत्य-अहिंसा के आदर्श हों, राष्ट्र आराधना का संकल्प हो या गरीबों-वंचितों की सेवा करते हुए नारायण के दर्शन की भावना हो, साबरमती आश्रम आज भी बापू के इन मूल्यों को जीवित रखे हुए है। अभय घाट में अपने संबोधन में उन्होंने कहा- साबरमती आश्रम 120 एकड़ में फैला था, जो धीरे-धीरे अतिक्रमण के चलते 5 एकड़ जमीन में सिमट गया था। एक समय यहां छोटे-बड़े 63 घर बन गए थे। हमने यहां की 55 एकड़ जमीन मुक्त करवाई। पहले की सरकारों ने यहां की विरासत को बचाने की कोशिश ही नहीं की। इसका कारण उनकी तुष्टीकरण की नीति थी। इसी के चलते हमारे देश की महान धरोहर ऐसे ही तबाह होती चली गई। अतिक्रमण, अस्वच्छता और अव्यवस्था ने हमारे देश की महान विरासत को घेर रखा था, जिसे मुक्त कराने का हमारा अभियान जारी है।

50 दिनों में 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

मैं काशी का उदाहरण देता हूं। वहीं, 10 साल पहले क्या हालत थी, यह सभी जानते हैं। आज की हालत आप देख सकते हैं। आज वहां अनेक प्रकार की सुविधाएं खड़ी हो गई हैं। दो साल में 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु काशी आए हैं। इसी तरह अयोध्या में हमने 200 एकड़ जमीन को मुक्त कराया। आज वहां कई सुविधाएं खड़ी कर दी गई हैं। इसी के चलते पिछले 50 दिनों में ही 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन किए। गुजरात ने कई धरोहरों को संरक्षित किया है। मैंने आजादी से जुड़े स्थानों के विकास के लिए अभियान शुरू किया था। दिल्ली राजपथ ने अपना यह कर्तव्य भी निभाया है। एकतानगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण हो चुका है। अब साबरमती आश्रम का विकास किया जा रहा है।

10 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेनें अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल, सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, मैसूरु-डॉ एमजीआर सेंट्रल (चेन्नई), पटना-लखनऊ, न्यू जलपाईगुड़ी-पटना, पुरी-विशाखापत्तनम, लखनऊ-देहरादून, कलबुर्गी - सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु, रांची-वाराणसी, खजुराहो- दिल्ली (निजामुद्दीन) रूट पर चलेंगीं। इस मौके पर PM मोदी ने कहा, ह्यमैं देश को यह गारंटी दे रहा हूं कि अगले पांच साल में आप भारतीय रेल का ऐसा काया कल्प होते देखेंगे जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। 10 साल का काम अभी तो ट्रेलर है, मुझे तो और आगे जाना है।

हापुड़

पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00 °C°C	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) >> 17 .10 बजे

सूर्योदय (कल) >> 06 .25 बजे

हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी राष्ट्रपति परिषद बनने के बाद दिया इस्तीफा

पोर्ट-ऑ-प्रिंस : प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने मंगलवार को सत्ता हस्तांतरण के लिए राष्ट्रपति परिषद बनने के बाद इस्तीफा देने की घोषणा की। श्री हेंनरी ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब उन पर इस्तीफा देने का अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि हैती में आपराधिक गिरोहों की हिंसा के कारण निम्न स्तर के गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। श्री हेंनरी ने कहा, जिस सरकार का मैं नेतृत्व कर रहा हूं वह सत्ता हस्तांतरण के लिए राष्ट्रपति परिषद की स्थापना के तुरंत बाद इस्तीफा दे देगी। उन्होंने एक वीडियो संबोधन में कहा, मैं सभी हेतीवासियों से देश में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील करता हूं।गौरतलब है कि 07 जुलाई, 2021 को हैती के तत्कालीन राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज़ की हत्या कर दी गई थी।

शाहजहां शेख के तीन सहयोगी गिरफ्तार

कोलकाता: सीबीआई ने गत पांच जनवरी को पश्चिम बंगाल में संदेशखली स्थित तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के ठिकानों के तलाश अभियान के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर कथित हमलों की जांच की कार्रवाई करते हुए उनके करीबी तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम को शहर के निज़ाम पैलेस में घंटों पूछताछ के बाद सीबीआई ने जियाउद्दीन मोल्ला, दीदार बख्श मोल्ला और फारूक अकुंजी को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें सीबीआई मुख्यालय में तलब करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। मोल्ला टीएमसी के सरबेरिया-अघराती ग्राम पंचायत प्रमुख हैं जबकि दीदार बख्श एक पेशेवर सुरक्षाकर्मी हैं।

हरियाणा में अचानक बदल गया राजनीतिक मौसम

नायब सिंह सैनी नये सीएम बनाये गये

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: नायब सिंह सैनी हरियाणा के नए मुख्यमंत्री होंगे, पार्टी ने मंगलवार दोपहर को यह घोषणा की। उनके पूर्ववर्ती, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोहर लाल खट्टर और पूरे मंत्रिमंडल - जिसमें उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के तीन सदस्य भी शामिल हैं - के इस्तीफे के बाद ऐसा हुआ। 54 वर्षीय श्री सैनी ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की है।

>> जेजेपी के साथ गठबंधन टूट गया

>> सत्ता विरोधी लहर दूर करने की चाल

>> नये सीएम भी मनोहर लाल के भरोसेमंद

ओबीसी, या अन्य पिछड़ा वर्ग, समुदाय के भीतर एक प्रभावशाली व्यक्ति, नायब सैनी कुरुक्षेत्र से भाजपा के लोकसभा सांसद हैं और उन्हें पिछले साल अक्टूबर में पार्टी का राज्य प्रमुख नियुक्त किया गया था। वह श्री खट्टर के करीबी विश्वासपात्र भी हैं, जिनका दूसरा (लगातार) कार्यकाल इस साल समाप्त हो रहा है।

शाम 5 बजे शपथ लेने के लिए, उन्हें भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद चुना गया, जिसमें कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने भाग लिया। कथित तौर पर भाजपा के पर्यवेक्षकों को विधायकों से कहा गया था और राज्य इकाई एक नया हाथ चाहती थी अप्रैल/मई में होने वाले लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए। विश्लेषकों ने बताया है कि नेतृत्व में बदलाव भी वही है जो भाजपा अब राज्य चुनावों से पहले करती है - एक अदला-बदली सत्ता विरोधी लहर को दूर करने के लिए शीर्ष पर। गुजरात और उत्तराखंड चुनावों से पहले इसी तरह के उपाय किए गए थे। दोनों ही मामलों में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की। पार्टी ने कर्नाटक में अपना मुख्यमंत्री भी बदल दिया-2023 के चुनाव के लिए बीएस येदियुरप्पा की जगह बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया गया। हालाँकि, इसका उल्टा असर हुआ और कांग्रेस ने आश्चर्यजनक जीत दर्ज की। श्री सैनी का चयन आम चुनाव से पहले प्रत्येक राज्य में जाति और ओबीसी समीकरणों पर भाजपा के फोकस का भी प्रतिनिधित्व करता है।

यह भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान है

हरियाणा में भले ही केवल 10 लोकसभा सीटें हों, लेकिन यह एक हिंदी पट्टी राज्य है और इसलिए यह भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान है। यह विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी ने अपने लिए 370 लोकसभा सीटें (अपने दम पर) और 400 राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सदस्यों के साथ हासिल करने का लक्ष्य रखा है। ऐसी अटकलें भी थीं - जो अब सच साबित हो सकती हैं - कि श्री खट्टर अब लोकसभा चुनाव में पदार्पण कर सकते हैं। वह अब खाली होने वाली कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। हरियाणा के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव राज्य में कांग्रेस के हाथ की संभावित मजबूती के बीच भी आया है, जहां इस साल विधानसभा चुनाव भी होने हैं। पिछले हफ्ते मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में हिसार से सांसद बृजेंद्र सिंह विपक्षी पार्टी में शामिल हुए थे. उन्होंने कहा, मैंने मजबूर राजनीतिक कारणों से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 31 सीटें जीतीं - जो पांच साल पहले सिर्फ 15 थी। आम चुनाव में, जेजेपी की तरह, राष्ट्रीय पार्टी कोई भी सीट जीतने में विफल रही, लेकिन सभी 10 में भाजपा के बाद दूसरे स्थान पर रही और उसका वोट शेयर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 28.5 प्रतिशत हो गया।

कर्मचारी महासंघ ने अध्यक्ष से इस्तीफा मांगा

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसबीआई की चौतरफा आलोचना

>> इससे बैंक की छवि को नुकसान हुआ है : देवीदास

तेजयुग न्यूज

मुंबई: महाराष्ट्र राज्य बैंक कर्मचारी महासंघ ने सुप्रीम कोर्ट में यह दलील देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष दिनेश खेड़ा के इस्तीफे की मांग की है कि बैंक को चुनावी बांड पर जानकारी प्रदान करने के लिए जून 2024 तक का समय दिया जाए क्योंकि प्रक्रिया में समय लगता है।

फेडरेशन ने कहा कि श्री खरा, जिन्हें उनकी सेवानिवृत्ति से ठीक पहले सेवा विस्तार दिया गया था, ने सबमिशन पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में बैंक को और अधिक खराब नाम और प्रसिद्धि दी है। महाराष्ट्र राज्य बैंक कर्मचारी महासंघ के महासचिव देवीदास तुलजापुरकर ने कहा, इससे बैंक की छवि को नुकसान हुआ है और पारदर्शिता और कॉर्पोरेट प्रशासन पर बैंक की विश्वसनीयता को झटका लगा है और इसलिए एसबीआई अध्यक्ष को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा, यह ज्ञात नहीं है कि क्या उन्होंने यह पद अपने आप लिया है या निदेशक मंडल को विश्वास में लिया है, जिसमें सरकार और आरबीआई के नामित व्यक्ति को भी रिकॉर्ड पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, एसबीआई अध्यक्ष को उनके कार्यकाल के पूरा होने पर सरकार द्वारा विस्तार दिया गया था और इस प्रकार किसी भी निकाय को संदेह है कि उनका यह कार्य पारस्परिक है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक को अतिरिक्त समय देने से इंकार कर दिया था। उसके बाद भी पूरे बैंक के शीर्ष नेतृत्व के बारे में बैंक कर्मचारी महासंघ अधिक ध्यान दे रहे हैं।

ईडी ने अल्केमिस्ट ग्रुप मामले में तृणमूल कांग्रेस के 10.29 करोड़ कुर्क किए

केडी सिंह की कंपनी के खिलाफ कार्रवाई

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय ने 11 मार्च को कहा कि उसने अल्केमिस्ट ग्रुप और अन्य से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के 10.29 करोड़ को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि धोखाधड़ी के माध्यम से जुटाए गए धन का एक हिस्सा अलकेमिस्ट ग्रुप द्वारा एआईटीसी की ओर से विमानन कंपनियों को भुगतान करने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

ईडी की जांच से यह भी पता चला है कि अल्केमिस्ट एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) द्वारा प्राप्त विमानन सेवाओं के लिए विभिन्न विमानन/हेलीकॉप्टर कंपनियों को 10.29 करोड़ की राशि का भुगतान किया गया था। 2014 के लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी जैसे स्टार प्रचारकों मुकुल रॉय, मुनमुन सेन, नुसरत जहां सांसद, जैसों पर खर्च किया गया था। अपने निष्कर्षों के आधार पर, ईडी के दिल्ली जोनल कार्यालय ने अल्केमिस्ट ग्रुप और अन्य द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध की जांच के दौरान उसके (पार्टी) द्वारा दिए गए डिमांड ड्राफ्ट के रूप में राशि संलग्न की है।

यह कहते हुए कि अल्केमिस्ट समूह का नेतृत्व एआईटीसी के पूर्व राज्यसभा सदस्य कंवर दीप सिंह कर रहे थे। एजेंसी ने कहा कि उसने केंद्रीय जांच ब्यूरो की लखनऊ इकाई और पुलिस द्वारा दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर जांच शुरू की थी। समूह के विभिन्न व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जांच की गयी है। ईडी ने पाया कि समूह ने कथित तौर पर उच्च रिटर्न प्रदान करने और फ्लैट/विला/प्लॉट/उच्च दर देने के झूठे वादे पर अपनी कंपनियों, अल्केमिस्ट होल्डिंग्स लिमिटेड और अल्केमिस्ट टाउनशिप इंडिया लिमिटेड में निवेशकों से 1,800 करोड़ से अधिक की धनराशि एकत्र की थी। हालांकि, निवेशकों/जनता को उनका पैसा कभी नहीं लौटाया गया और फंड को अल्केमिस्ट ग्रुप की विभिन्न समूह कंपनियों में भेज दिया गया।

राममंदिर की आरती का होगा सीधा प्रसारण

चुनाव के ठीक पहले दूरदर्शन के फैसले पर बवाल

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: दूरदर्शन राष्ट्रीय चैनल प्रतिदिन अयोध्या के राम मंदिर से आरती प्रसारित करेगा। सरकारी प्रसारक ने कहा कि दूरदर्शन (डीडी) नेशनल रोजाना सुबह 6.30 बजे अयोध्या में हाल ही में उद्घाटन किए गए राम मंदिर से आरती समारोह का सीधा प्रसारण करेगा। सोशल मीडिया पर यह जानकारी देने के साथ साथ बताया गया है कि सुबह की दैनिक आरती के सीधे प्रसारण की अनुमति लेने का प्रयास कर रहे हैं। अब जब मंजूरी मिल गई है, तो वे सभी भक्त जो विभिन्न कारणों से अयोध्या जाने में असमर्थ हैं, वे डीडी नेशनल के माध्यम से भगवान राम के शुभ दर्शन कर सकते हैं, एक अधिकारी ने कहा।

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले दूरदर्शन के इस फैसले को विपक्ष फिर से राम के बहाने चुनाव प्रचार का नया तरीका मान रहा है। वैसे भी हाल के दिनों में दूरदर्शन पर मोदी के प्रचार और सरकार समर्थक कार्यक्रमों की वजह से विरोधी दलों के नेताओं ने इस संस्था की कई बार आलोचना की है। यहां तक कि कांग्रेस ने जिन प्रमुख एंकरों के कार्यक्रमों का वहिष्कर करने का एलान किया है, उनमें दूरदर्शन का भी एक पत्रकार शामिल है। इन तमाम लोगों के खिलाफ सीधा आरोप लगा था कि वे दरअसल हमेशा ही मोदी समर्थक के तौर पर अपने कार्यक्रमों से एजेंडा संचालित करते हैं।

इन एंकरों की असली काम विपक्ष को नकारा साबित करने के साथ साथ मोदी की सफलताओं का प्रसारण करना है। बता दें कि राम मंदिर के उदघाटन के वक्त भी जिस तरीके से पूरे कार्यक्रम को दिखाया गया, उसे भी विपक्ष ने मोदी का प्रचार ही करार दिया था।

असम में सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, पीएम मोदी का पुतला फूंका गया

शिवसागर में केएमएसएस कार्यकर्ता हिरासत में

>> सरकार ने सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी है

तेजयुग न्यूज

गुवाहाटी : नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन के विरोध में मंगलवार (12 मार्च) को पूरे असम में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के पुतले और कानून की प्रतियां जलाई गईं। असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (एजेवाईसीपी) ने लखीमपुर में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के पुतलों को आग लगा दी।

जबकि कांग्रेस सदस्यों ने भी सीएए के प्रति अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए जिले के विभिन्न हिस्सों में कानून की प्रतियां जला दीं। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने गुवाहाटी में पार्टी के राज्य मुख्यालय, राजीव भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकताओं का नेतृत्व किया, जहां उन्होंने अधिनियम की प्रतियां जलाईं। इसी तरह, सीपीआई-एम ने गुवाहाटी और कामरूप जिले के रंगिया शहर में अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने शहर में अपने-अपने संस्थानों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। शिवसागर जिले में, रायजोर दल, कृषक मुक्ति संग्राम समिति, छात्र मुक्ति परिषद और विधायक अखिल गोगोई के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए विवादास्पद कानून का जोरदार विरोध किया।

बारपेटा और नलबाड़ी से भी कांग्रेस और एजेवाईसीपी द्वारा सीएए की प्रतियां जलाने की खबरें सामने आई हैं। हालाँकि, 16-पक्षीय यूनाइटेड विपक्षी फोरम असम (यूओएफए) द्वारा बुलाए गए 12 घंटे की हड़ताल को कोई महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं मिली, केवल शिवसागर, गोलाघाट, नागांव और कामरूप जैसे कुछ जिलों में दुकानें बंद रहीं और व्यापारिक प्रतिष्ठान. नियोजित विरोध प्रदर्शन के जवाब में, असम पुलिस ने विपक्षी दलों को नोटिस जारी किया।